है कि रा० वि० की उतनी ही परिभाषाएं है जितनी रा० वि के लेखक है

- रा० विज्ञान की परिभाषा के संबंध में दो दृष्टिकोण है पहला, परम्परागत और दूसरा आधुनिक
- राजनीति विज्ञान विषय के विद्वानों द्वारा इस विषय की विभिन्न परिभाषाएँ प्रस्तुत की गयी है जिन्हे प्रमुख रूप से निम्न तीन वर्गों में रखा जा सकता है। परम्परागत दृष्टिकोण

A. रा० वि केवल राज्य अध्ययन के रूप मे

B. रा० वि केवल सरकार के अध्ययन के रूप मे

C. रा० वि राज्य और सरकार दोनो के अध्ययन के रूप मे

A • ब्लंटश्ली के अनुसार → रा० शास्त्र वह शास्त्र है जिसका संबंध राज्य से है जो राज्य की आधारभूत स्थितियों उसकी प्रकृति तथा विविध स्वरूपों एवं विकास को समझने का प्रयत्न करता है

गार्नर के अनुसार → "रा० शास्त्र का आरम्भ और अन्त राज्य के साथ होता है।"

B • रा० विज्ञान को सरकार के अध्ययन के रूप में मानने वाले विचारकों ने इसे इस तरह से परिभाषित किया है

★ पॉलजैनेट, लिकॉक और सीलि जैसे विद्वानों ने रा० शास्त्र को सरकार के अध्ययन के रूप में परिभाषित किया है

पॉलजैनेट → रा० शास्त्र सामाजिक शास्त्र का वह भाग है जिसमें राज्य के आधार तथा शासन के सिद्धांतो पर विचार किया जाता है।"

लीकॉक → रा० शास्त्र सरकार से संबंधित अध्ययन है

सीलि के अनुसार → रा० शास्त्र उसी प्रकार के तत्वों की खोज करता है जैसे सम्पत्ति शास्त्र सम्पत्ति का, जीवशास्त्र जीव का, बीजगणित अंकों का तथा ज्यामितीय शास्त्र स्थान और ऊँचाई का करता है।"

3. [illegible] और उसके समाधान से है जिसके लिए यह बल या शक्ति के प्रयोग की तुलना में कुलह - समझौते, मेल-मिलाप और बातचीत को बढ़ावा देती है।

4. राजनीति का संबंध सामाजिक अस्तित्व से जुड़े संसाधनों के वितरण से भी है जैसे डेविड ईस्टन ने संसाधनों के आधिकारिक आवंटन के Authoritative allocation of values के रूप में परिभाषित किया

6:45 NC, 149 राजनीतिक: 11+2, विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में बहुविषयक अनुसंधान का अंतरराष्ट्रीय जर्नल, ISSN-2582-7219, उपरोक्त खंड 4 अंक 1, जनवरी 2021

TOPCI -2

राजनीति विज्ञान क्या है?

- राजनीति विज्ञान का उद्भव अत्यन्त प्राचीन है यूनानी विचारक अरस्तु को राजनीति विज्ञान का पिता कहा जाता है।

- राजनीतिशास्त्र या राजनीति विज्ञान अत्यन्त प्राचीन विषय है प्रारंभ में इसे स्वतंत्र विषय के रूप में नहीं स्वीकारा गया।

- राजनीति विज्ञान का अध्ययन नीतिशास्त्र, दर्शनशास्त्र, इतिहास एवं विधिशास्त्र आदि की अवधारणाओं के आधार पर ही करने की परम्परा थी।

आज राजनीति (रा० वि०) में राज्य तथा सरकार से संबंधित समस्याओं और प्रश्नों का अध्ययन किया जाता है।

परिभाषा →

राजनीति विज्ञान की सर्वविदित परिभाषा देना कठिन है राजनीति विज्ञान की परिभाषा विभिन्न विद्वानों ने अपने अपने दृष्टिकोण से की है गार्नर ने ठीक ही कहा